

भिनिवृत्त *heimgekehrt von MĀLATIM.* 13, 2. देवानां रातिरुभि नो नि वर्त्त-  
ताम् R. V. 1, 89, 2. तं कृत्ये ऽभिनिवर्त्तस्व AV. 10, 1, 7. absol. अभिनिवर्त्तम्  
TS. 6, 4, 44, 4. ÇAT. BR. 12, 8, 30. KĀTH. 27, 9. act.: पुष्पफलनमभिनिव-  
र्त्तति *wiederholt sich SHADY.* Br. 5, 7. — caus. 1) *wiederholen GOBH.* 2, 9,  
18. — 2) *aufhören machen, entfernen: अमं मानसम् HARIV.* 11267.

— उपनि 1) *wiederkommen, sich wiederholen: येन सूक्तेन निविदमति-*  
*पथेत न तत्पुनरुपनिवर्त्तत वास्तुर्मेव तत्* *das kann nicht wiederkehren,*  
*es ist abgethan AIT.* Br. 3, 11, 39. R. V. PĀT. 11, 30. उपनिवर्त्तमिव वै  
पशवः सौपवसे रमते ÇĀNKH. Br. 11, 5. — 2) *umkehren so v. a. anders*  
*werden, sich bessern MBH.* 12, 2882. स चेन्नो परिवर्त्तत wohl richtiger ed.  
Bomb. st. स चेन्नोपनिवर्त्तत der ed. Calc. — caus. *wieder herbeiholen*  
AIT. Br. 7, 5.

— अ-युपनि *wiederkommen, sich wiederholen ÇĀNKH.* Br. 11, 5.

— परिनि *vorübergehen, vergehen: क्लेशाः परिनिवर्त्तते केषांचिदस-*  
*मोक्षिताः Spr.* 3990.

— प्रतिनि 1) *umkehren, zurückkehren, rückwärts gehen MBH.* 1, 6941  
(*वत्स्यथ*). 4, 1659, 7, 1809. R. 7, 27, 18, 30, 4, 70, 4. UTTARAR. 94, 11 (122,  
17. fg.). KATHĀS. 85, 25. PĀNĀT. 163, 3. अतिथिर्यस्य भग्नशो गृह्णात्प्रति-  
निवर्त्तते Spr. 134 (II). अत्येति रत्ननी या तु सा न प्रतिनिवर्त्तते 3426. य-  
था नद्यो प्रतिस्त्रोतःऽत्रावि द्रव्यं प्रतिस्त्रे प्रतिनिवर्त्तते SUÇR. 1, 317, 8. von  
der Vorhaut 296, 15. *वृत्त MBH.* 1, 6761. 13, 1884. रणात् HARIV. 9046.  
ÇĀK. 28. प्रवासत् ed. Ch. 72, 6. सूर्यापस्थानं VIKR. 3, 5. VARĀH. BĀH. S.  
11, 34. UTTARAR. 93, 17 (122, 1). PĀNĀT. 287, 9. दोष सुÇR. 2, 333, 18. *गु-*  
*णप्रवाहं BHĀG.* P. 3, 28, 35. — 2) *entrinnen, entgehen: दिष्टात् MBH.* 12,  
1152. — 3) *aufhören, sich legen: आप्रतिनिवृत्तगुणोर्मिचक्रं BHĀG.* P. 2,  
3, 12. — Vgl. प्रतिनिवर्त्तन्. — caus. *zurückkehren machen, zurückfüh-*  
*ren: यतो याता नरेन्द्राणां सेनाः प्रतिनिवर्त्तताः R.* 4, 27, 8. *rückwärts geh-*  
*en machen, zurückwenden, abwenden: मनः पयश्च निम्नाभिमुखम् MALLIN.*  
zu KUMĀRAS. 3, 5. *दृष्टिं ततः BHĀG.* P. 11, 13, 35.

— विनि 1) *zurückkehren, umkehren MBH.* 3, 8451. 4, 1646. 5, 7085. 6,  
4989. 14, 556. Spr. 3781. R. 2, 23, 2. R. GOBH. 2, 1, 35. fg. 3, 3, 6. 5, 39, 14.  
7, 23, 58. VARĀH. BĀH. S. 11, 39. act. MBH. 4, 1381. युद्धात् 3, 7315. R. 4,  
40, 69. विनिवृत्त JĀÉN. 1, 825. VARĀH. BĀH. S. 3, 4, 6, 4. 11, 39. विनिवृत्ता  
कोराम्यथ (= विनिवर्त्तयामि) कृतकर्षाभ्रनासिकाम् R. 1, 28, 10. RAGH. 8,  
49. विनिवृत्ते दिनकोरे प्रवृत्ते चोत्तराप्यो MBH. 13, 7702. — 2) *sich abwenden:*  
*अधप्रकर्षादिनिवृत्तदृष्टिः R. GOBH.* 2, 32, 39. रावणादिनिवृत्तात्मा 5,  
57, 12 (st. dessen fälschlich विनिवृत्तार्थी 66, 14). विनिवृत्तमतिर्गुह्यद्वाद्भव  
(विनिवृत्तं gedr.) MĀRK. P. 134, 58. सप्तत्रयविनिवृत्ता (प्रकृति) so v. a.  
*befreit von SĪNKHĀK.* 65. — 3) *abstehen von (abl.) so v. a. aufgeben: दे-*  
*वनात् MBH.* 2, 2046. युद्धात् 3, 7312. शील्यज्ञदानात् HARIV. 11268 (act.).  
तपसः R. GOBH. 1, 65, 23. 67, 10. स्वधर्मचरणादिनिवृत्तः 5, 81, 30. — 4)  
*weichen, aufhören, verschwinden: गुराडुंष्टात् — गौरवं विनिवर्त्तते R.*  
GOBH. 2, 62, 34. विषया विनिवर्त्तते निराकारस्य देहिनः BHĀG. 2, 59. सपि-  
पुता तु पुरुषे सप्तमे विनिवर्त्तते M. 3, 60. अथ चारिः त्रैशोपडीर्यं त्वा प्राप्य  
विनिवर्त्तते R. 2, 73, 19 (विनिवर्त्तितम् ed. Bomb.). SUÇR. 2, 372, 18. SAR-  
VADARÇANAS. 67, 6. कृताशनः so v. a. *erlischt Spr.* 1832. विनिवृत्तज्ञरा-  
दुःखं MBH. 14, 561. नादाः प्रस्रवणानां च विनिवृत्ताः सदुर्दराः R. 4, 29, 13.  
◦काम BHĀG. 13, 5. शशाया KATHĀS. 59, 170. इत्वाकुवंशो राजा विनिवृत्तः

स्ववंशकृत् *aufgehört zu sein HARIV.* 4237. सायत्तने सवनकर्मणि संनि-  
वृत्ते *zu Ende gegangen ÇĀK.* 73, v. l. — 3) *wegfallen, unterbleiben LĪTJ.*  
10, 10, 11. PĀR. bei KULL. zu M. 3, 84. — Vgl. विनिवृत्ति. — caus.  
1) *zurückkehren machen, — heissen, zurückführen: आप्यं वनात् R.* 2, 82,  
17. fg. (88, 16 GOBH.). MĀLATIM. 169, 12. रथं संपुगात् R. 6, 89, 18. अस्त्रम्  
zurückziehen MBH. 5, 7297. — 2) *sich abwenden machen, ablenken: ते-*  
*जोभिरस्य विनिवर्त्तितदृष्टिपातेः MĀLAV.* 11. गमने तु कृता बुद्धिं न ते श-  
क्नोमि विनिवर्त्तयितुम् R. 2, 24, 30. — 3) *Jmd von Etwas abbringen: रामा-*  
*भिषेकसंकल्पत् R. GOBH.* 2, 8, 32. तपसः MĀRK. P. 76, 46. — 4) *aufgeben,*  
*fahren lassen: रणोत्साहम् R.* 3, 33, 4. स्वेहम् Spr. 3012. — 5) *aufhören*  
*machen, beseitigen: निखिलापदः Verz. d. Oxf. H.* 171, b, 45. R. ed. Bomb.  
2, 73, 23. BHĀG. P. 4, 7, 39. 10, 29, 30. ÇĀK. 185. यस्मादपत्यकामो वै भर्ता  
मे विनिवर्त्तितः so v. a. *weil mein Gatte dahin gebracht worden ist, dass*  
*er keine Nachkommenschaft mehr wünscht MBH.* 13, 4005. *Etwas rück-*  
*gängig machen M.* 8, 165. शापम् MBH. 1, 1001. MĀRK. P. 113, 5. यात्राम्  
VARĀH. BĀH. S. 95, 25. तत्कर्म क्वा विनिवर्त्त्य भूयः ÇVETĀCV. UP. = प्र-  
त्यवेत्तणं क्वा ÇĀNKH.

— संनि 1) *umkehren, zurückkehren MBH.* 3, 40. 12231. 6, 2250. 7, 1164.  
HARIV. 8133. 10003. R. 1, 42, 4 (43, 4 GOBH.). 2, 45, 2 (43, 2 GOBH.). 4, 12,  
32. 37, 26. 40, 70. 41, 77. KATHĀS. 61, 65. अर्को ऽस्तं संन्यवर्त्तत BHĀG. P.  
7, 2, 35. act. MBH. 3, 746. R. GOBH. 1, 42, 10. 4, 10, 38. संनिवृत्त MBH. 6,  
2250. 18, 6. प्रवासत् HARIV. 8806. R. 3, 30, 26. RAGH. 7, 68. 16, 44. VARĀH.  
BĀH. S. 17, 9. BHĀG. P. 10, 77, 21. — 2) *sich zurückziehen: गतमभिमुखं*  
*संनिवृत्तं तथैव चतुः MEGH.* 90. so v. a. *stocken (vom Winde) SUÇR.* 1, 261,  
12. 263, 10. HARIV. 2189 (संनिवर्त्तयेत् die neuere Ausg.). — 3) *abstehen*  
*—, ablassen von (abl.): साहसात् R.* 3, 33, 2. 43, 39. तपसः MĀRK. P. 99,  
10. कश्मलात् BHĀG. P. 8, 12, 35. — 4) *weichen, aufhören: संनिवृत्तपरि-*  
*श्रमं BHĀG.* P. 9, 20, 10. — 5) *verstreichen MBH.* 14, 367 nach der Lesart der  
ed. Bomb. — Vgl. संनिवर्त्तन, संनिवृत्ति. — 1) *caus. zurückkehren heissen,*  
*zurückschicken, zurückführen MBH.* 4, 6. HARIV. 2189 (nach der Lesart  
der neueren Ausg.). R. 3, 30, 25. BHĀG. P. 1, 10, 33. 10, 19, 5. अन्वये संब-  
न्धिना विप्र मृत्युना संनिवर्त्तताः *heimgeschickt so v. a. fortgeführt MĀRK.*  
P. 76, 33. — 2) *ablenken, abbringen: नहि सत्यात्मनः — संनिवर्त्तयितुं*  
*बुद्धिः शक्यते R.* 2, 34, 32. इन्द्रियाणोन्द्रियार्थेभ्यः प्रियेभ्यः (so die ed.  
Bomb.) संनिवर्त्त्य MBH. 7, 2090. मित्रमकार्यात् 5, 3318. रामं वनवासकृते-  
द्यमम् R. GOBH. 2, 16, 39. — 3) *aufhören machen, unterdrücken: तं घो-*  
*षम् R.* 2, 81, 4. अतिप्रसक्तिमिन्द्रियाणाम् Spr. 3750.

— निम् 1) *act. herausrollen lassen, auswerfen (Würfel aus dem Be-*  
*cher) MBH.* 4, 24, wo die ed. Bomb. *निर्वर्त्स्यामि st. निर्वर्त्स्यामि der ed.*  
Calc. liest. — 2) *hervorkommen, hervorgehen, entstehen, sich entwickeln:*  
*रुस्तपादशिरसा पञ्च पिण्डका निर्वर्त्तते SUÇR.* 1, 322, 8. 9 *द्रव्येषु पद्यमा-*  
*नेषु येष्वम्बुपृथिवीगुणाः। निर्वर्त्तते ऽधिकाः 149, 19. fg. sich entwickeln zu,*  
*werden zu: तस्य आत्तस्य तप्तस्य तेजो रसा निर्वर्त्ततामिः ÇAT.* Br. 10, 6,  
3, 2. तदापुं निर्वर्त्तत KĀHND. UP. 3, 19, 1. निर्वृत्त *hervorgekommen, her-*  
*vorgegangen, entstanden: नवयौवननिर्वृत्तस्तन BHĀG.* P. 8, 8, 48. मुद्गला-  
द्भव निर्वृत्तं गोत्रं मोद्गलसंक्षितम् 9, 21, 33. कर्मनिर्वृत्तैः फलेः RAGH. 17, 18.  
P. 4, 2, 68. 4, 19. 5, 1, 79. AK. 1, 1, 7, 16. 3, 2, 50. H. 1487. VOP. 7, 75. द्वा-  
पञ्चशब्देन दुर्गाणि राज्ञा निर्वृत्तानि so v. a. *erbaut, angelegt Inschr.* in